एयर मार्शल अजीत शंकरराव भौंसले

एयर मार्शल अजीत भौंसले (वेटरन) ने 08 जून, 1978 को भारतीय वायु सेना में कमीशन प्राप्त किया तथा 39 वर्ष की अपनी विशिष्ट सेवा के बाद इन्होंने 21 फरवरी, 2017 को संघ लोक सेवा आयोग में सदस्य के रूप में कार्यभार सम्भाला।

इन्होंने भौंसला मिलिट्री स्कूल, नेशनल डिफेंस अकादमी, डिफेंस सर्विसेज स्टॉफ कॉलेज, कॉलेज ऑफ डिफेंस मेनेजमेंट तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज, जापान से शिक्षा प्राप्त की है।

इन्होंने मद्रास विश्वविद्दालय से रक्षा अध्ययन में एम.एससी. की स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्दालय तथा ओसमानिया विश्वविद्दालय से व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर किया और टोक्यो से एम.फिल. किया।

संघ लोक सेवा आयोग में नियुक्ति से पूर्व इन्होंने इंटीग्रेटिड डिफेंस स्टॉफ (आईडीएस) के मुख्यालय के प्रमुख का कार्यभार सम्भाला तथा वे ज्वाईंट ऑपरेशंस, डॉक्ट्रिन, आर्गेनाइजेशन तथा ट्रेनिंग के उप-प्रमुख भी रहे। इस अवधि के दौरान एयर मॉर्शल अजीत भौंसले ने रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' के प्रोत्साहन के लिए रक्षा प्रबंध प्रक्रियाओं के निरूपण द्वारा सशस्त्र बलों में क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट और डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण क्षमताओं तथा आधारभूत संरचनाओं के निर्माण, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी(एनडीए) में बी.टेक. पाठ्यक्रम की शुरूआत तथा मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी के पाठ्यक्रम की पुनरीक्षा, साईबर अंतरिक्ष अभिकरणों तथा विशेष सेना प्रभाग की शुरूआत सशस्त्र सेनाओं के लिए संयुक्त सिद्धांत निरूपण तथा असम, आंध्र प्रदेश तथा गुजरात की राज्य सरकारों के साथ मिलकर पूरे भारत में आपदा राहत के अभ्यास संचालन का विस्तार किया। इन्होंने भारतीय राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्दालय की स्थापना तथा विश्वव्यापी डिजाइन स्पर्धा द्वारा

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक एवं राष्ट्रीय युद्ध संग्रहालय के लिए स्थान तथा रूपरेखा के चयन की परियोजना का नेतृत्व किया।

एयर मार्शल अजीत भौंसले ने रक्षा अधिग्रहण परिषद, प्रमुख स्टॉफ समिति, संयुक्त प्रशिक्षाण समिति, उप प्रमुख समिति तथा प्रधान कार्मिक अधिकारी समिति आदि जैसी विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों में सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इन्होंने प्रमुख विशेषज्ञ दलों (थिंक टैंक) संयुक्त सेवा संस्थान तथा संयुक्त-कल्याण अध्ययन केन्द्र की अध्यक्षता भी की तथा वे उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान की कार्यकारी परिषद (मानित विश्वविद्दालय) एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्दालय की अकादमी परिषद (एन डी ए) के सदस्य रहे।

एयर मार्शल अजीत भौंसले ने श्रीलंका इंडियन पीस कीपिंग फोर्स ऑपरेशन, सियाचीन ऑपरेशन एवं कारगिल ऑपरेशन में भाग लिया है तथा उन्हें 5200 घंटे का उड़ान अनुभव है। भारत के माननीय राष्ट्रपति ने इन्हें असाधारण रूप से अपनी शानदार सेवा के लिए 2005 में विशिष्ट सेवा पदक तथा 2010 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया है।

एयर मार्शल अजित भौंसले एक उत्सुक ट्रेवलर है और उनकी कला, संस्कृति और पाक में अत्यधिक रूचि है। वे पशुप्रेमी हैं, उन्हें गोल्फ, तैराकी और घुड़सवारी का शौक है।